बाबोसा री भक्ति में होकर के बावरा

बाबोसा री भक्ति में,
होकर के बाबरा,
अ र र र नाचे हो,
बाईसा थारा टाबरां,
नाच रहिया दे दे ताल,
गुण गावे आपरा,
अ र र र नाचे हो,
बाईसा थारा टाबरां।bd।

तर्ज – स र र र घूमे रे सतरंगी।

भक्ता रो मन आज,
भक्ति में दीवानों है,
लूट लेसी भक्ति रो,
आज यो खजानों है,
सिर पर धर दियो बाईसा,
दोनो हाथ आपरा,
अ र र र नाचे हो,
बाईसा थारा टाबरां।bd।

बाबोसा भगवान रो,
गूंज रहयो जयकारों,
धरती गगन झूमे,
झूम रहयो यो जग सारो,
नैना तरसे बाबोसा,
कद दर्शन होवे आपरा,
अ र र र नाचे हो,
बाईसा थारा टाबरां।bd।

नाचकर के आज बाबोसा,
थाने में रिझावा,
बाईसा के सागे सगला,
भक्ति में खो जाँवा,
भक्तो रा दिल में “दिलबर”,
जाप चाले आपरा,
अ र र र नाचे हो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बाबोसा री भक्ति में,
होकर के बाबरा,
अ र र र नाचे हो,
बाईसा थारा टाबरां,
नाच रहिया दे दे ताल,
गुण गावे आपरा,
अ र र र नाचे हो,
बाईसा थारा टाबरां।bd।

गायिका – रुचि खण्डेलवाल राजस्थान।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com